पहाड़ों म्ह रहणे वाली री कलकत्ते की काली री

पहाड़ों म्ह रहणे वाली री,
कलकत्ते की काली री,
संकट दूर करो मेरा मांँ,
कालका कल्याणी री।bd।

तर्ज – माँ बालाजी पै चालिए।

तेरे बेटे नै याद करी सै,
गेडा़ लावण आजा मांँ,
कौण से कर्म की सजा मिली,
मैंने न्यू तो आज बताजा माँ,
भाग जगाणे आली री,
पार तैराणे आली री,
संकट दूर करो मेरा मांँ,
कालका कल्याणी री।bd।

तेरे हवाले ज्यान मेरी मांँ,
एक बै आण बचाले री,
हंँसणा खेलणा भूल गया मेरे,
आकै लाड लडाले री,
रोते नै हंँसाणे वाली री,
उजड़े नै बसाणे वाली री,
संकट दूर करो मेरा मांँ,
कालका कल्याणी री।bd।

पित्र भि कती साथ छोड़ गे,
बेरा ना कित सोगे,
पल-पल साथ निभावण वाले,
सात अपणे नै खोगे,
धर्म बचाणे वाली री,
अधर्म नै मिटाणे वाली री,
संकट दूर करो मेरा मांँ,
कालका कल्याणी री।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सब के दुख का नाश करो,
लक्की शर्मा तेरे बेटे की,
पूरी माता आश करो,
शीखर चढाणे आली री,
ढूंढा ठाणे वाली री,
संकट दूर करो मेरा मांँ,
कालका कल्याणी री।bd।

पहाड़ों म्ह रहणे वाली री,
कलकत्ते की काली री,
संकट दूर करो मेरा मांँ,
कालका कल्याणी री।bd।

गायक – लक्की शर्मा पिचोलिया।
9034283904
लेखक – गजेन्द्र स्वामी कुड़लण।
9996800660

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com